

Chapter-9

छोटा मेरा खेत

Exercise 9.1

1 Mark Questions

1. प्रश्न: कवि ने अपने खेत को किस रूप में देखा है?

उत्तर: कवि ने अपने खेत को अपने लिए एक आत्मीय स्थान के रूप में देखा है।

2. प्रश्न: खेत की सुंदरता को बचाए रखने के लिए कवि ने कौनकौन सी कदम उठाए हैं?

उत्तर: कवि ने खेत की सुंदरता को बचाए रखने के लिए सतत देखभाल, सुरक्षितीकरण, और उपयुक्त कदम उठाए हैं।

3. प्रश्न: कवि का खेत उसे कैसा आनंद प्रदान करता है?

उत्तर: कवि का खेत उसे सकारात्मकता, चैन, और आत्मसंबंध का आनंद प्रदान करता है।

4. प्रश्न: कवि ने कैसे खेत की सुंदरता को व्यक्त किया है?

उत्तर: कवि ने खेत की सुंदरता को उच्च और प्राकृतिक भावनाओं के माध्यम से व्यक्त किया है।

5. प्रश्न: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि ने किस भावना को व्यक्त किया है?

उत्तर: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि ने अपने खेत के साथ अपने आत्मीय संबंध की प्रेमभावना को व्यक्त किया है।

6. प्रश्न: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि ने अपने खेत की सुंदरता को कैसे व्यक्त किया है?

उत्तर: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि ने अपने खेत की सुंदरता को उच्च और प्राकृतिक भावनाओं के माध्यम से व्यक्त किया है। वह खेत को अपने लिए एक आत्मीय स्थान के रूप में देखता है और उसमें प्राकृतिक सौंदर्य को बचाए रखने की आग्रहपूर्वक कविता करता है।

7. प्रश्न: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि क्या अनुभव कर रहा है?

उत्तर: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि अपने खेत के साथ अपने आत्मीय संबंध का आनंद ले रहा है। उसने अपने खेत को एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण स्थान के रूप में देखा है जो उसे सकारात्मकता और चैन का अहसास कराता है।

Exercise 9.2

2 Marks Questions

1. प्रश्न: कवि ने कविता में खेत की विशेषताओं का उल्लेख कैसे किया है?

उत्तर: कवि ने कविता में खेत की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उसके हर छोटेछोटे हिस्सों की सुंदरता, सजगता, और प्राकृतिक सौंदर्य की चर्चा की है। वह खेत को एक रंगीन और शानदार स्थान के रूप में वर्णन करता है।

2. प्रश्न: "छोटा मेरा खेत" कविता में कौनकौन सी भावनाएं प्रकट होती हैं?

उत्तर: "छोटा मेरा खेत" कविता में कवि की प्रेमभावना, सुकून, और समृद्धि के प्रति आभास होता है। वह अपने खेत को एक आत्मीय और प्रिय स्थान के रूप में देखता है और उसकी सुंदरता को बचाए रखने की भावना से भरा हुआ है।

3. प्रश्न: कवि के खेत की सुंदरता को बचाए रखने के लिए वह कैसे जिम्मेदारी निभाता है?

उत्तर: कवि अपने खेत की सुंदरता को बचाए रखने के लिए वह एक जिम्मेदार और सतत देखभाल का प्रतिबद्ध रहता है। उसने खेत को सुरक्षित और सजीव बनाए रखने के लिए उपयुक्त कदम उठाए हैं।

प्रश्न 4. कवि को खेत का रूपक अपनाने की जरूरत क्यों पड़ी?

उत्तर: कवि बताना चाहता है कि कविता लिखना या रचना एक मुश्किल कार्य है। काफ़ी मेहनत करने के बाद और कल्पना करने के बाद ही कुछ शब्द कागज़ पर उतर पाते हैं। यही खेती का हाल है। खेत में बीज बोने से लेकर कटाई करने तक में बहुत मेहनत लगती है।

प्रश्न 5. शब्द रूपी अंकुर फूटने से कवि का क्या आशय है?

उत्तर: कवि का कहना है कि जिस प्रकार खेत में बीज पड़कर कुछ दिनों बाद उसमें अंकुर फूटने लगते हैं, उसी प्रकार विचार रूपी बीज पड़ते ही शब्द रूपी अंकुर फूटने लगते हैं। यह कविता की पहली सीढ़ी है।

प्रश्न 6. कविता लुटने पर भी क्यों नहीं मिटती या खत्म होती?

उत्तर: यहाँ 'लुटने से' आशय बाँटने से है। जब कविता पाठकों तक पहुँचती है तो वह खत्म नहीं हो जाती, बल्कि उसको महत्त्व और अधिक बढ़ता जाता है। ज्योंज्यों वह पाठकों के पास पहुँचती जाती है, वह और अधिक विकसित होती जाती है।

प्रश्न 7. 'पाँती बँधे' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर: 'पाँती बँधे' से कवि का तात्पर्य एकता से है। जिस प्रकार ऊँचे आकाश में बगुले पंक्ति बाँधकर एक साथ चलते हैं, उसी प्रकार मनुष्य को भी एकजुट रहना चाहिए। बगुलों की पंक्ति हमें 'एकता ही शक्ति है' का भाव सिखाती है।

Exercise 9.3

4 Marks Questions

प्रश्न 1. अलौकिक रस की धारा कब फूटती है?

उत्तर: जब कोई विचार रूपी बीज अंकुरित होकर कविता का रूप धारण कर लेती है तो उसमें से आनंद की बहुतसी धाराएँ फूटती रहती हैं। यह धाराएँ अनंतकाल तक बहती जाती हैं। यह आनंद पाठकों को चिरकाल तक खुशी देता है। इसलिए यह रस अलौकिक है।

प्रश्न 2. 'छोटा मेरा खेत' कविता के रूपक को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कवि ने कवि कर्म को कृषक के कार्य के समान बताया है। किसान भी खेत में बीज बोता है, वह बीज अंकुरित होकर फसल बनता है और जनता का पेट भरता है। वह मनुष्य की दैहिक आवश्यकता को पूरी करता है। इसी तरह कवि भी कागज़ रूपी खेत पर अपने विचारों के बीज बोता है। कल्पना का आश्रय पाकर वह विचार विकसित होकर रचना का रूप धारण करता है। इस रचना के रस से मनुष्य की मानसिक जरूरत पूरी होती है।

प्रश्न 3. चौकोने छोटे खेत को कवि ने कागज़ का पत्रा क्यों कहा है? उस खेत में 'रोपाई क्षण की कटाई अनंतता की' कैसे है?

उत्तर: कवि छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पत्रा कहता है। वह बताता है कि कवि कर्म भी खेती की तरह है। खेती में रोपाई से कटाई तक प्रक्रिया श्रमसाध्य होती है। इसी तरह कविता सृजन भी श्रमसाध्य कार्य है। इसमें भी खेती की तरह अनेक प्रक्रियाएँ अपनाई जाती हैं। कविता का रस अनंतकाल तक आनंद देता है। खेती की फ़सल का समय निश्चित होता है। पकने पर फ़सल कट जाती है, परंतु कविता का रस कभी समाप्त नहीं होता। प्रश्न 8. 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर खेत और कागज़ के पत्रे की समानता के तीन बिंदुओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4.छोटे चौकोने खेत को कागज़ का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है?

उत्तर:कवि ने छोटे चौकाने खेत को कागज का पन्ना कहा है। इससे कवि बताना चाहता है कि कविकर्म तथा खेती में बहुत समानता है। जिस प्रकार छोटा खेत चौकोर होता है, उसी प्रकार कागज़ का पन्ना भी चौकोर होता है। जिस प्रकार खेत में बीज, जल, रसायन डालते हैं और उसमें अंकुर, फूल, फल आदि उगते हैं, उसी प्रकार कागज के पन्ने पर कवि अपने भाव के बीज बोता है तथा उसे कल्पना, भाषा आदि के जरिये रचना के रूप में फसल मिलती है। फसल एक निश्चित समय के बाद काट ली जाती है, परंतु कृति से हमेशा रस मिलता है।

प्रश्न 5.रचना के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या हैं?

उत्तर:रचना के संदर्भ में अंधड़ का अभिप्राय है कि जब भावों की आँधी आती है तो वह शब्दों का रूप लेकर कागज़ पर जन्म लेने लगती है। वास्तव में भाव ही कविता रचने का पहला चरण है। 'बीज' से कवि का आशय है कि जब भाव आँधी रूप में आते हैं तो कविता रचने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। यह बीज वास्तव में विचार और अभिव्यक्ति का रूप होता है। यही कविता रचने का मूल मंत्र है।

प्रश्न 6.रस को अक्षयपात्र से कवि ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की ओर इंगित किया है?

उत्तर:कवि ने रचना कर्म की निम्नलिखित विशेषताओं की ओर इशारा किया है

- (i) रचना कर्म का अक्षय पात्र कभी खाली नहीं होता।
- (ii) यह जितना बाँटा जाता है, उतना ही भरता जाता है।
- (iii) यह चिरकाल तक आनंद देता है।

Exercise 9.4

Summary

"छोटा मेरा खेत" एक अद्भुत कविता है जो किसान के अपने खेत के प्रति आत्मबल और प्रेम को व्यक्त करती है। कवि ने अपने छोटे से खेत को एक स्वर्ग समझा है जो उसे शांति और सुरक्षा का अहसास कराता है। उसके खेत को देखकर उसे आत्मसंबंध में एकता का अहसास होता है। खेत की छोटाई के बावजूद, वह उसे अपना स्वर्ग मानता है और उसकी देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। कविता में स्वभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, और सादगी की भावना बहुत उजागर होती है, जो किसान के साथी की भूमिका में अद्वितीयता और संबंध की गहराई को दर्शाती है।